

विनम्रता लोगों के दिल जीतती है। घमंड से दूरी बनती है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर चलती स्लीपर बस में भीषण आग, 9 यात्री जिंदा जले , कई झुलसे



ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर एयरपोर्ट के पास बुधवार देर रात एक चलती स्लीपर बस में भीषण आग लगने से दर्दनाक हदसा हो गया। हदसे में नौ यात्रियों की जलकर मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक हदसा रात करीब 11:30 बजे, यमुना एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 33 के पास हुआ। बस नोएडा से आगरा की ओर जा रही थी। यात्रियों के अनुसार, बस के केबिन से अचानक जलने की गंध आने

लगी। कुछ यात्रियों ने चालक और परिचालक को इसकी जानकारी भी दी, लेकिन आरोप है कि बस को तत्काल रोककर जांच नहीं की गई।

कुछ ही देर बाद चालक की सीट के पास से आग की तेज लपटें निकलने लगीं। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने के बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ यात्री किसी तरह बस से बाहर निकलकर अपनी जान बचाने में सफल रहे, जबकि कई यात्री अंदर ही फंस गए। हदसे में नौ यात्रियों की जिंदा जलने से मौत हो गई। बस को आग की लपटों में घिरा देखकर एक्सप्रेसवे से

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर डबल-डेकर टूरिस्ट बस में लगी आग

खालापूर, यशभारत। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर खालापूर टोल प्लाजा के पास गुरुवार सुबह एक डबल-डेकर टूरिस्ट बस में अचानक आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस पुणे की ओर जा रही थी और करीब सुबह 7.37 बजे उसने आग लगी। बस में आग लगते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद मौके पर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किए जाने की जानकारी है। आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। हदसे के चलते एक्सप्रेसवे पर यातायात प्रभावित होने की संभावना है। प्रशासन और संबंधित एजेंसियां घटना की परिस्थितियों की जांच कर रही है। फिलहाल आग से हुए नुकसान और किसी के हाताहत होने की विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।



तेलंगाना में भी बस में आग लगी

तेलंगाना के हैदराबाद में श्रीरैलम जा रही एक बस में आग लग गई। हदसा करगनघाट हनुमान गौदिर के पास हुआ। अधिकारियों को घटना की सूचना बुधवार देर रात करीब 2:15 बजे मिली। बस में सवार सभी 38 यात्री सुरक्षित बाहर निकल गए। हदसे में किसी के घायल होने की जानकारी नहीं है।

मिलने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञा लिया। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

रोशबिना देवी ने वुश में सिल्वर दिलाया

लगातार तीसरे एशियन गेम्स में मेडल जीता;

रोड़ंग में सतनाम-सतमान को बॉन्ज मिला

नागोया , यशभारत। रोशबिना देवी ने एशियन गेम्स के 5वें दिन गुरुवार को सिल्वर मेडल दिलाया। वे महिलाओं के 60क़ाइ साइड इवेंट का फाइनल में चीन की झांग शियाओयू से 0-2 से हार गईं। यह रोशबिना का एशियन गेम्स में लगातार तीसरा मेडल है। वे एशियाड में लगातार तीन मेडल जीतने वाली भारत की पहली महिला वुश खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने 2018 जकार्ता में ब्रॉन्ज और 2023 हांगज़ोउ में सिल्वर जीता था। वहीं, रोड़ंग में सतनाम सिंह और सलमान खान की जोड़ी ने मेस डबल स्कल इवेंट में 6:13.25 मिनट की टाइमिंग के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारत अब तक 14 मेडल जीत चुका है। उसने 1 गोल्ड, 6 सिल्वर और 7 ब्रॉन्ज जीते थे। भारत मेडल टैली में 14वें स्थान पर है।



आंध्र प्रदेश के तट से चक्रवात ‘अर्नब’ टकराया

ओडिशा में भारी बारिश से कई पुल बहे, 5000 लोग सुरक्षित जगह भेजे, बंगाल में भी अलर्ट

श्रीकाकुलम, ईएमएस। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में कलिंगपट्टनम के पास अर्नब चक्रवात तट से टकराया। मौसम विभाग के मुताबिक, यह सिस्टम पिछले 6 घंटे में 3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ा। इसने 23 सितंबर की रात 11 बजे से 24 सितंबर की रात 1 बजे के बीच कलिंगपट्टनम के दक्षिण-पश्चिम में तट पार किया।

इसके असर से कई इलाकों में भारी बारिश हुई। इस दौरान 75 किमी प्रति घंटे



एसआईआर पर घिरा चुनाव आयोग, अंदर से भी उठे सवाल

गरमाई सिवासत

नई दिल्ली, यशभारत। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SAR) को लेकर चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सियासी घमासान तेज हो गया है। द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि नवंबर 2025 से अगस्त 2026 के बीच चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने विभिन्न फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14 लिखित आपत्तियां दर्ज कीं। रिपोर्ट के मुताबिक, आपत्तियां SAR, फॉर्म-6 में बदलाव, मतदाता सूची में नाम जोड़ने-हटाने, अपील और चुनावी डेटा तक पहुंच जैसे मुद्दों से जुड़ी थीं।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि कुछ मामलों में दोनों आयुक्तों ने सवाल उठाया कि उनकी जानकारी के बिना फैसले और आदेश कैसे जारी किए गए। इन दावों ने चुनाव आयोग के भीतर निर्णय प्रक्रिया और पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े कर दिए। हालांकि, चुनाव आयोग ने अंदरूनी मतभेद की खबरों को साफ तौर पर खारिज किया है। आयोग के सूत्रों के अनुसार, अलग- अलग मुद्दों पर आयुक्तों की व्यक्तिगत राय अलग हो सकती है, लेकिन स्कूट समेत सभी अंतिम फैसले तभी चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिए गए हैं।

सांसद विवेक तन्खा का तीखी प्रतिक्रिया लोकतंत्र को नष्ट होने नहीं दे सकते

चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर उठे सवालों के बीच कांग्रेस सांसद और वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक तन्खा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। चुनाव आयोग के भीतर कथित मतभेदों और बड़ी संख्या में मतदाताओं के नामों को लेकर सामने आई मीडिया रिपोर्ट के बाद तन्खा ने निर्वाचन संस्थाओं की भूमिका और लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर चिंता जताई। तन्खा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि जो बातें अब तक अप्रत्यक्ष थीं, वे अब प्रत्यक्ष होती दिख रही हैं। उन्होंने मतदाता सूची से 13करोड़ नाम हटाए जाने के दावे का उल्लेख करते हुए सवाल खड़ा किया कि यदि करोड़ों नाम झप्पट सूची से बाहर हो रहे हैं, तो इसका लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर क्या असर पड़ेगा। उन्होंने चुनाव आयुक्तों के बीच कथित असहमति का भी जिक्र किया और कहा कि अब बोलने का समय आ गया है। तन्खा ने अपनी चिंता को लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता से जोड़ते हुए कहा कि देश अपने लोकतंत्र को नष्ट होने की अनुमति नहीं दे सकता। उनके बयान में निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता, मतदाता के अधिकार और संस्थागत जवाबदेही को लेकर चिंता प्रमुख है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने आयोग से SIR, फॉर्म-6, मतदाता डेटाबेस और गोवा के 97 मतदाताओं सहित कई मामलों पर दस्तावेजी स्पष्टीकरण मांगा है।



ओमान तट के पास कर्मीरियल जहाज पर हमला, एक भारतीय नाविक की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। ओमान के पूर्वी तट के पास भारत की ओर जा रहे एक कर्मीरियल जहाज पर बुधवार को हमला किया गया। हमले में एक भारतीय नाविक की मौत हो गई, जबकि जहाज पर सवार 19 अन्य भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया। भारतीय दूतावास ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि वह ओमानी अधिकारियों के लगातार संपर्क में है। मस्कट स्थित भारतीय दूतावास ने कहा कि वह जहाज के सभी चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा पर नजर रख रहा है। दूतावास ने मृतक नाविक के परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए बताया कि वह परिजनों के संपर्क में है। विदेश मंत्रालय के अनुसार जहाज पर लगभग 20 भारतीय नाविक सवार थे। मंत्रालय ने क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर लगातार हमे रहे हमलों पर चिंता जताते हुए तनाव कम करने के लिए संवाद और कूटनीति का रास्ता अपनाने की अपील की। भारत ने वाणिज्यिक जहाजों, नाविकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने पर रोक लगाने तथा अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में सुरक्षित और निरबीध जौहद एवं व्यापार बहाल करने की मांग की है।

आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल की आत्महत्या मामले में नया सुलसा, महिला दोस्त से कल- मुझसे गलती हो गई

मुंबई, यशभारत। आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की आत्महत्या के मामले में जांच के बीच एक अहम जानकारी सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, 18 सितंबर को आत्महत्या करने से कुछ घंटे पहले साहिल ने अपनी महिला दोस्त से फोन पर बातचीत की थी। बातचीत के दौरान उसने कथित तौर पर कल था- मुझसे गलती हो गई। इसके बाद शाम को साहिल ने होस्टल के कमरे में फांसी लगा ली। बताया जा रहा है कि साहिल ने दोपहर करीब 2:30 बजे महिला दोस्त से फोन पर बात की थी। दोनों के बीच सेलेक्टर परीक्षा को लेकर बातचीत हुई। साहिल ने कथित तौर पर कहा कि उसका पोपर अच्छ नहीं गया। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, यह उसकी आखिरी फोन बातचीत थी। खास बात यह है कि इस बातचीत के दौरान साहिल ने कथित तौर पर जातिगत भेदभाव का कोई जिक्र नहीं किया। आत्महत्या से कुछ घंटे पहले साहिल को परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन पर कथित तौर पर चैटजीपीटी का इस्तेमाल करते हुए पकड़े जाने की बात भी सामने आई है। हालांकि, इस घटनाक्रम और आत्महत्या के बीच क्या संबंध था, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। साहिल की मौत की खबर सुनकर उसकी महिला दोस्त सदमे में आ गई। सूत्रों के अनुसार, उसे पैनिक अटैक आया और अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पुलिस ने उसका बयान भी दर्ज किया है। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए परीक्षा में इनविजिलेंटर रहे आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर सूर्यनारायण झुला को छुट्टी पर भेज दिया गया है।

करीब 2:30 बजे महिला दोस्त से फोन पर बात की थी। दोनों के बीच सेलेक्टर परीक्षा को लेकर बातचीत हुई। साहिल ने कथित तौर पर कहा कि उसका पोपर अच्छ नहीं गया। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, यह उसकी आखिरी फोन बातचीत थी। खास बात यह है कि इस बातचीत के दौरान साहिल ने कथित तौर पर जातिगत भेदभाव का कोई जिक्र नहीं किया। आत्महत्या से कुछ घंटे पहले साहिल को परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन पर कथित तौर पर चैटजीपीटी का इस्तेमाल करते हुए पकड़े जाने की बात भी सामने आई है। हालांकि, इस घटनाक्रम और आत्महत्या के बीच क्या संबंध था, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। साहिल की मौत की खबर सुनकर उसकी महिला दोस्त सदमे में आ गई। सूत्रों के अनुसार, उसे पैनिक अटैक आया और अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पुलिस ने उसका बयान भी दर्ज किया है। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए परीक्षा में इनविजिलेंटर रहे आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर सूर्यनारायण झुला को छुट्टी पर भेज दिया गया है।

करीब 2:30 बजे महिला दोस्त से फोन पर बात की थी। दोनों के बीच सेलेक्टर परीक्षा को लेकर बातचीत हुई। साहिल ने कथित तौर पर कहा कि उसका पोपर अच्छ नहीं गया। जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, यह उसकी आखिरी फोन बातचीत थी। खास बात यह है कि इस बातचीत के दौरान साहिल ने कथित तौर पर जातिगत भेदभाव का कोई जिक्र नहीं किया। आत्महत्या से कुछ घंटे पहले साहिल को परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन पर कथित तौर पर चैटजीपीटी का इस्तेमाल करते हुए पकड़े जाने की बात भी सामने आई है। हालांकि, इस घटनाक्रम और आत्महत्या के बीच क्या संबंध था, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। साहिल की मौत की खबर सुनकर उसकी महिला दोस्त सदमे में आ गई। सूत्रों के अनुसार, उसे पैनिक अटैक आया और अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पुलिस ने उसका बयान भी दर्ज किया है। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए परीक्षा में इनविजिलेंटर रहे आईआईटी बॉम्बे के प्रोफेसर सूर्यनारायण झुला को छुट्टी पर भेज दिया गया है।

बैंक हड़ताल से पहले केंद्र का बड़ा फैसला 25 सितंबर को ही खाते में आएगा वेतन-पेंशन 27 को रविवार के बावजूद खुलेंगे सरकारी बैंक

जबलपुर, यशभारत। देशभर में 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल से पहले केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ा फैसला लिया है। हड़ताल के दौरान बैंकिंग और वित्तीय लेन-देन प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए सितंबर माह का वेतन और पेंशन निर्धारित समय से पहले 25 सितंबर 2026, शुक्रवार को ही जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार के इस फैसले से केंद्र के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को राहत मिलने की उम्मीद है। वित्त मंत्रालय के व्यव विभाग के महालेखा निर्यंत्रक कार्यालय की ओर से जारी कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है कि प्रस्तावित बैंक हड़ताल के कारण वित्तीय लेन-देन में व्यवधान की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए वेतन और पेंशन का भुगतान अग्रिम रूप से करने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही सितंबर माह के अंत में चालू तिमाही भी समाप्त हो रही है, इसलिए किसी भी प्रकार की वित्तीय देरी से बचने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक भुगतान समय से निपटाने के निर्देश दिए गए हैं।

रक्षा, डाक और दूरसंचार कर्मचारियों को भी लाभ

सरकार के निर्णय के दायरे में केंद्र सरकार के सभी सिविल कर्मचारी, औद्योगिक कर्मचारी और पेंशनभोगी आएंगे। रक्षा, डाक और दूरसंचार विभाग के कर्मचारियों को भी इसका लाभ मिलेगा। 25 सितंबर को किया जाने वाला भुगतान अग्रिम भुगतान माना जाएगा। बाद में महीने का अंतिम हिसाब-किताब पूरा होने पर यदि किसी राशि का समायोजन आवश्यक हुआ तो उसे अक्टूबर 2026 के वेतन या पेंशन में समायोजित किया जाएगा।

आम बैंक ग्राहकों के लिए भी बड़ी व्यवस्था

बैंक हड़ताल से ठीक पहले पड़ रहे सप्ताहांत को देखते हुए सरकार ने आम बैंक ग्राहकों के लिए भी बड़ी व्यवस्था की है। 27 सितंबर, रविवार को सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक खुले रहेंगे। सामान्य तौर पर रविवार को बैंक शाखाएं



बंद रहती हैं, लेकिन हड़ताल के दौरान ग्राहकों को बैंकिंग सेवाओं में परेशानी से बचाने के लिए इस दिन शाखाओं को संचालित करने का निर्णय लिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से रविवार को बैंक शाखाओं के साथ प्रशासनिक कार्यालयों, एटीएम से संबंधित शाखाओं और करेंसी चेस्ट को भी पूरी तरह सक्रिय रखने की अनुमति दी गई है। इसका उद्देश्य हड़ताल शुरू होने से पहले अधिक से अधिक जरूरी बैंकिंग काम निपटाने का अवसर ग्राहकों को उपलब्ध कराना है।

यूनियनों से बातचीत, हड़ताल टालने की अपील

28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित हड़ताल को लेकर सरकार और बैंक प्रबंधन की ओर से बैंक यूनियनों के साथ बातचीत जारी है। सरकार ने यूनियनों से हड़ताल वापस लेने की अपील की है। वहीं, हड़ताल की स्थिति में आम जनता को आवश्यक बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की कवायद भी की जा रही है। सितंबर के अंतिम सप्ताह में लगातार छुट्टियों और प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल के कारण बैंकिंग कामकाज पर असर पड़ने की आशंका के बीच सरकार का अग्रिम वेतन-पेंशन भुगतान और रविवार को बैंक खोलने का फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब निगाहें 28 सितंबर से शुरू होने वाली प्रस्तावित हड़ताल और सरकार-यूनियनों के बीच चल रही बातचीत के अगले दौर पर टिकी हैं।

पाकिस्तान का अफगानिस्तान में 10 टिकानों पर हवाई हमले का दावा

ड्रोन हमलों और सीमा पर गोलीबारी के बाद बढ़ा तनाव, तालिबान ने आरोपों को किया खारिज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। पाकिस्तान ने गुरुवार तड़के अफगानिस्तान के अंदर 10 टिकानों पर हवाई हमले करने का दावा किया। पाकिस्तानी अधिकारियों के मुताबिक, इन टिकानों का इस्तेमाल पाकिस्तान के खिलाफ ड्रोन हमलों के लिए किया जा रहा था। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने सोशल मीडिया पर बताया कि सेना ने अफगानिस्तान में 10 स्थानों को निशाना बनाया। इससे एक दिन पहले पाकिस्तानी अधिकारियों ने दावा किया था कि अफगानिस्तान की ओर से आठ ड्रोन भेजे गए थे। पाकिस्तान का कहना है कि इन सभी ड्रोन को कोहट और तोरखम सीमा क्षेत्र तक पहुंचने से पहले ही मार गिराया गया और हमलों में कोई नुकसान नहीं हुआ।



तालिबान ने आरोपों से किया इनकार

अफगान तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के आरोपों को खारिज किया है। तालिबान के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने कहा कि अफगान बलों ने पाकिस्तान पर कोई हमला नहीं किया। पाकिस्तान के ताजा हवाई हमलों पर अफगानिस्तान की ओर से तत्काल विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई।

सीमा पर भी बढ़ा तनाव

दोनों देशों के बीच सीमा पर घुसपैठ और गोलीबारी को लेकर भी तनाव बना हुआ है। पाकिस्तानी अधिकारियों का आरोप है कि अफगानिस्तान की ओर से घुसपैठ की कोशिश के बाद तालिबान बलों ने पाकिस्तानी सीमा चौकियों पर मोर्टार और भारी हथियारों से हमला किया। इसके जवाब में पाकिस्तानी सेना ने तोपों से कार्रवाई करते हुए तालिबान की सीमा चौकियों, मोर्टार टिकानों और रक्षात्मक स्थानों को निशाना बनाया।

एक्सिस बैंक के करेंसी चेस्ट में मिले 4.63 लाख रुपये के जाली नोट

मेरठ, एजेंसी। मंगलपांडे नगर स्थित एक्सिस बैंक के करेंसी चेस्ट में जांच के दौरान 4 लाख 63 हजार 650 रुपये मूल्य के जाली नोट मिलने से हड़कंप मच गया। करेंसी चेस्ट से कुल 1323 नकली नोट बरामद किए गए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार इस करेंसी चेस्ट से एक्सिस बैंक की करीब 186 शाखाएं जुड़ी हैं। इन शाखाओं में जमा होने वाली नकदी करीब और मिलान के लिए करेंसी चेस्ट भेजी जाती है। बैंक अधिकारियों ने एक दिसंबर 2024 से 31 दिसंबर 2025 तक करीब 13 महीने की अवधि में जमा नकदी की जांच की थी। इसी दौरान अलग-अलग मूल्यवर्ग के जाली नोट सामने आए। बरामद नोटों में 500 रुपये के 805, 200 रुपये के 142, 100 रुपये के 279 और 50 रुपये के 97 नोट शामिल बताए गए हैं। जांच में 10 रुपये तक के अन्य मूल्यवर्ग के नोट भी मिलने की जानकारी है। कुछ नोट दो टुकड़ों में पाए गए, जिन्हें चिपकाकर जोड़ा गया था। करेंसी चेस्ट प्रबंधक सरताज सिंह ने मामले की शिकायत एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति से की। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि जाली नोट किस शाखा से करेंसी चेस्ट तक पहुंचे। साथ ही नकदी की जांच के दौरान इन्हें पकड़ा क्यों नहीं गया, इसकी भी पड़ताल की जा रही है। पुलिस संबंधित शाखाओं से नकदी जमा होने के रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेज जुटा रही है। मामले में बैंक कर्मचारियों की संभावित भूमिका, लापरवाही और जाली नोटों के स्रोत समेत विभिन्न पहलुओं की जांच की जा रही है।



समस्तीपुर में युवती से कथित बदसलूकी वीडियो वायरल; पांच सद्विध हिरासत में

समस्तीपुर, एजेंसी। बिहार के जमुई में छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आने के बाद अब समस्तीपुर में एक युवती के साथ कथित बदसलूकी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। मामला कपूरीग्राम थाना क्षेत्र के जगतसिंहपुर गांव स्थित बांध बाइपास रोड का बताया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और पांच सद्विध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

फोटो लेने के दौरान युवती को घेरे का आरोप

स्थानीय लोगों के अनुसार, युवती एक युवक के साथ बांध बाइपास रोड से गुजर रही थीं। दोनों सड़क किनारे रुककर फोटो ले रहे थे। इसी दौरान कुछ युवक वहां पहुंचे और युवती को घेर लिया। आरोप है कि युवकों ने उसके साथ गाली-गलौज और अपभ्रष्ट व्यवहार किया। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में कुछ युवक युवती से उसका नाम और पता पूछने नजर आ रहे हैं। वीडियो को लेकर युवती के साथ कथित तौर पर गलत तरीके से खूने और सड़क पर खींचने जैसी हरकत किए जाने के



दावे भी किए जा रहे हैं। हालांकि, पुलिस अभी वीडियो और घटना की पूरी सत्यता की जांच कर रही है।

वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने शुरू की कार्रवाई

बुधवार देर शाम वीडियो सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर वायरल होने के बाद मामला पुलिस के संज्ञान में आया। इसके बाद पुलिस ने वीडियो में दिखाई दे रहे लोगों की पहचान का प्रयास शुरू किया। पुलिस के अनुसार, अब तक दो युवकों की पहचान कपूरीग्राम थाना क्षेत्र के जगतसिंहपुर गांव निवासी विकास शर्मा और राहुल कुमार के रूप में हुई है। मामले में पांच सद्विध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अरविंद्र प्रताप सिंह के अनुसार, अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और वीडियो में दिखाई दे रहे सभी व्यक्तियों की पहचान का प्रयास जारी है।

ग्राहकों के लिए भी भुगतान व्यवस्था बदलने की आशंका, यूपीआई पर एमडीआर शुल्क के फैसले पर पुनर्विचार की मांग

थोक व्यापारियों पर बढ़ सकती है आर्थिक बोझ

भोपाल, यश भारत ।

यूपीआई भुगतान पर प्रस्तावित एमडीआर शुल्क को लेकर व्यापारियों ने सरकार से निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की है। भोपाल किराना व्यापारी महासंघ के महामंत्री विवेक साहू का कहना है कि डिजिटल भुगतान आज व्यापार और आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरत बन चुका है। ऐसे में यूपीआई लेनदेन पर अतिरिक्त शुल्क लागू होने से व्यापारियों के साथ ग्राहकों के सामने भी नई व्यावहारिक दिक्कतें खड़ी हो सकती हैं।

साहू के अनुसार 15 अक्टूबर से 2

हजार रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर शुल्क लागू होने का प्रस्ताव है। थोक कारोबार में मुनाफे का अंतर पहले से ही सीमित रहता है। ऐसे में प्रत्येक बड़े डिजिटल भुगतान पर लगने वाला अतिरिक्त शुल्क व्यापारियों की लागत बढ़ा सकता है और इसका असर उनके लाभ पर पड़ने की आशंका है।

बड़े भुगतान में बढ़ सकती है परेशानी

व्यापारियों का कहना है कि थोक बाजार में बड़ी राशि के भुगतान के



डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की अपील

व्यापारियों ने कहा है कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने से व्यापार में पारदर्शिता और भुगतान की सुविधा बढ़ी है। व्यापारी और ग्राहक दोनों यूपीआई व्यवस्था के आदी हो चुके हैं। ऐसे में नई शुल्क व्यवस्था लागू करने से पहले उसके व्यापक प्रभावों पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से आग्रह किया कि व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए एमडीआर शुल्क से जुड़े प्रस्ताव की समीक्षा की जाए। उनका कहना है कि ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए, जिसमें डिजिटल भुगतान को बढ़ावा भी मिले और व्यापारियों पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव भी न पड़े।

लिए यूपीआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। ग्राहक भी नकद रखने के बजाय मोबाइल से तत्काल भुगतान को सुविधाजनक मानते हैं। यदि 2 हजार रुपये से अधिक के लेनदेन पर शुल्क लागू होता है तो कुछ व्यापारी ऐसे भुगतान स्वीकार करने के दूसरे विकल्प तलाश सकते हैं। साहू ने बताया कि शुल्क लागू होने की स्थिति में कुछ व्यापारी 15 अक्टूबर के बाद 2 हजार रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान स्वीकार नहीं करने पर भी विचार कर रहे हैं। इससे ग्राहकों को नकद या अन्य भुगतान माध्यम अपनाने पड़ सकते हैं। खासकर नियमित खरीदारी करने वाले ग्राहकों और छोटे कारोबारियों के लिए भुगतान का तरीका बदलना असुविधाजनक हो सकता है।



एमवाय अस्पताल से लेकर मेडिकल कॉलेजों के निजी संचालन तक उठाए

स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

भोपाल यश भारत।

मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता अभय दुबे ने आरोप लगाया कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े कई गंभीर मामले सामने आए हैं और सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। दुबे ने इंदौर के एमवाय अस्पताल में नवजात बच्चों की मौत कोलिड्रफ कफ सिरप से बच्चों की मौत इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों बालाघाट में बच्चों की मौत और सागर में जहरीली शराब कांड का उल्लेख करते हुए सरकार से स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर जवाब मांगा।

किडनी रैकेट और पैथोलॉजी मामले पर भी जवाब मांगा

कांग्रेस प्रवक्ता ने इंदौर में सामने आए कथित किडनी रैकेट और साईंस हाउस पैथोलॉजी मामले को लेकर भी सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े मामलों में तथ्यों को सामने लाने और जिम्मेदारी तय करने की आवश्यकता है। कांग्रेस ने प्रदेश के नौ मेडिकल कॉलेजों को निजी हाथों में संचालन के लिए दिए जाने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। पार्टी ने पूछा कि ऐसी व्यवस्था लागू होने पर गरीब मरीजों को मिलने वाले मुफ्त इलाज और एससी एसटी तथा ओबीसी वर्गों के आरक्षण की क्या व्यवस्था रहेगी। अभय दुबे ने सरकार से मेडिकल कॉलेजों के संचालन से जुड़ी पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बरतने तथा स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए गए सवालों पर स्पष्ट जवाब देने की मांग की है।

बाबा रामदेव जी की दसवीं पर निकली शोभायात्रा

आष्टा, यश भारत । बाबा रामदेव जी की दसवीं नगर में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। विभिन्न मंदिरों में दिनभर पूजा-अर्चना और आरती हुई। पार्वती नगर और अलीपुर क्षेत्र में बैंड-बाजों के साथ शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बुधवार गंज स्थित मंदिर में सकल हिंदू समाज के पदाधिकारियों ने दर्शन किए और मानस भवन में आयोजित भंडारे में प्रसादी ग्रहण की। समाज अध्यक्ष नरेंद्र कुशवाहा ने धार्मिक आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को संस्कारों और परंपराओं से जोड़ने का आह्वान किया।

सांदीपनि विद्यालय में मनाया उमंग दिवस

आष्टा, यश भारत । सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उमंग दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में 3 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने सकारात्मकता की शपथ ली। विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, आत्मरक्षा और सोशल मीडिया के प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कहानी, प्रश्नोत्तरी और खेल गतिविधियां आयोजित हुईं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य सितवत खान ने विद्यार्थियों से अपनी समस्याएं शिक्षकों और अभिभावकों से साझा करने की अपील की।

स्वस्थ रहने की कला सीखने देशभर से आए साधक आरोग्य केन्द्र में पांच दिवसीय शिविर

हिंदाराम नगर.

आरोग्य केन्द्र द्वारा पाँच दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर से आए साधक प्राकृतिक उपचार, योग, प्राकृतिक एवं अपक्व आहार, फिजियोथेरेपी, एक्स्प्रेसर, एक्स्पून्कर, शिरोधारा और पेटली मसाज के माध्यम से स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गुलाब राय टेवानी ने व्याख्यान में बताया कि संस्था पिछले 37 वर्षों से किरायाती एवं दवा-रहित चिकित्सा प्रदान कर रही है। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य 'प्राकृतिक चिकित्सा से संपूर्ण स्वास्थ्य लाभ' प्राप्त करना है। साधकों की प्रार्थनाओं का आहार (रसाहार, फलाहार), उपवास, योग और पंचतत्वों (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश) द्वारा शरीर के शुद्धिकरण की कला सिखाई जा रही



है। डॉ. टेवानी ने जोर दिया कि गलत आहार और अस्वस्थ जीवनशैली ही बीमारियों की जड़ हैं। शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने के चार मुख्य मार्ग हैं—मल, मूत्र, पसीना और श्वास। सही आहार, सकारात्मक सोच, मानसिक-

शारीरिक डिटॉक्स और डिजिटल डिटॉक्स (मोबाइल व लैपटॉप से परहेज) अपनाकर व्यक्ति स्वयं का चिकित्सक बन सकता है। समाज को जागरूक करने के उद्देश्य से शिविर के साथ 'हेल्थ प्रोमोटर सर्टिफिकेट कोर्स' भी शुरू किया गया है, जिससे साधक प्राकृतिक चिकित्सा सीखकर अपने परिवार व समाज को स्वस्थ रख सकें। विशेष गतिविधियाँ एवं सत्र: दिनचर्या: योग, योगिक क्रियाएँ, ध्यानात्मक सत्र, आनंद मेला और हरी पत्तियों के जूस का सेवन।

संस्कार विद्यालय में हुई थी प्रतियोगिता

हिंदाराम नगर.

संस्कार विद्यालय में खादी और ग्रामोद्योग को बढ़ावा देने के लिए निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके विजेताओं को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में निशा उतवानी ने प्रथम, समीक्षा मेहरा ने द्वितीय तथा प्रीति वाधवानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों अनील टिलवानी, अर्चना पाल और संजय जैन तथा संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी एवं सचिव बसंत चेलानी द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थित लोगों ने खादी एवं ग्रामोद्योग को सम्मान देने और इसे अपने दैनिक जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। समारोह के प्रारंभ में चेलानी ने कहा कि विद्यार्थियों में स्वदेशी की भावना जगाने और खादी के महत्व को समझाने के लिए ऐसे कार्यक्रमों का समय-समय पर आयोजन बेहद आवश्यक है। टिलवानी ने खादी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया

खादी-ग्रामोद्योग पर निबंध प्रतियोगिता में निशा प्रथम व समीक्षा रहे द्वितीय



कि वर्ष 2023 से प्रतिवर्ष खादी महोत्सव मनाया जा रहा है। इस वर्ष भी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक खादी महोत्सव का आयोजन हो रहा है, जिसके तहत प्रतिदिन खादी का प्रचार-प्रसार, शपथ ग्रहण, चरखा प्रदर्शन और स्वदेशी उत्पादों की जानकारी प्रदान करने जैसे कार्य

किए जा रहे हैं। वासवानी ने कहा कि ऐसे आयोजनों से निश्चित ही खादी ग्रामोद्योग को बढ़ावा मिलेगा और देश का विकास होगा। अतिथियों ने विद्यालय द्वारा मिले सहयोग की प्रशंसा की। अंत में प्राचार्य आर.के. मिश्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया

बनियाखेड़ी में जलभराव से कीचड़ और गंदगी का अंबार, अधूरा मंगल भवन भी सवालों के घेरे में, मुक्तिधाम वर्षों से बंदहाल

गोंदलवाड़ा पंचायत में विकास कार्यों पर सवाल, सड़क बने बिना निकल गई राशि

बनखेड़ी, यश भारत ।

सरकार अंतिम छोर के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाकर उसे आत्मनिर्भर बनाने और गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर जिम्मेदारों की कथित लापरवाही इन प्रयासों पर सवाल खड़े कर रही है। ऐसा ही मामला जनपद पंचायत बनखेड़ी की ग्राम पंचायत गोंदलवाड़ा के अंतर्गत आने वाले बनियाखेड़ी गांव से सामने आया है। गांव में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से जगह-जगह पानी जमा है। इससे कीचड़ और गंदगी की स्थिति बनी हुई है तथा ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

सड़क बनी नहीं, राशि निकलने का आरोप

सबसे गंभीर सवाल पंचायत द्वारा सीसी रोड निर्माण के नाम पर राशि निकाले जाने को लेकर उठ रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक शासकीय पंचायत दर्पण पोर्टल पर सीसी रोड निर्माण के नाम से डेढ़ लाख रुपये



से अधिक की राशि निकाली गई है, जबकि गांव में संबंधित सीसी रोड का निर्माण नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब सड़क बनी ही नहीं तो निर्माण कार्य की राशि किस आधार पर निकाली गई?

अधूरा मंगल भवन, निकल गई छह लाख की राशि

इसी तरह बनियाखेड़ी गांव में मंगल भवन का निर्माण भी सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों के अनुसार भवन का निर्माण अधूरा पड़ा है

और निर्माण की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक इसके लिए करीब छह लाख रुपये की राशि निकाली जा चुकी है।

मुक्तिधाम की हालत भी बंदहाल

बनियाखेड़ी गांव का मुक्तिधाम भी लंबे समय से बंदहाल का शिकार बताया जा रहा है। यहां व्यवस्थाओं और सौंदर्यकरण की स्थिति संतोषजनक नहीं होने से ग्रामीण



अपनी निजी भूमि में अंतिम संस्कार करने को मजबूर है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब गांवों के विकास और स्वच्छता के लिए लगातार योजनाएं संचालित हो रही हैं, तो वर्षों से मुक्तिधाम की स्थिति में सुधार क्यों नहीं हुआ।

सरपंच पति बोले—सड़क निर्माण हुआ ही नहीं

मामले में सरपंच पति बाबूलाल ने बताया कि पंचायत द्वारा नाली निर्माण का कार्य

कराया गया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि गांव में कहीं भी सड़क निर्माण का कार्य नहीं कराया गया है। उनके इस बयान के बाद सीसी रोड निर्माण के नाम पर पोर्टल में दर्ज राशि को लेकर सवाल और गंभीर हो गए हैं। गांव की सफाई के लिए बिंदेश दिए गए हैं। पंचायत में किए गए कार्यों की जांच कराई जाएगी। बगैर सड़क निर्माण के राशि कैसे निकली, इसकी भी जांच की जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने पर निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

नरेंद्र सिंह मेवाड़ा, सीईओ जनपद पंचायत बनखेड़ी

बाबा रामदेव जी के चल समारोह में शामिल हुए विधायक

आष्टा, यश भारत ।

अलीपुर के मीरपुरा स्थित बाबा रामदेव मंदिर से दसवीं के अवसर पर चल समारोह निकाला गया। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर भी इसमें शामिल हुए। जनपद चौराहे पर हिंदू उत्सव समिति ने शोभायात्रा का स्वागत किया। मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने टीन शेड निर्माण के लिए 5 लाख और माताजी के चबूतरे के लिए 50 हजार रुपये देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन सामाजिक एकता और सद्भाव को मजबूत करते हैं।



एमपी में 27% ओबीसी आरक्षण रोकने का पाप कमलनाथ सरकार ने किया, अपनी हिंदी की चिढ़ी पढ़कर दिखाएं राहुल

राहुल गांधी की चिढ़ी पर मंत्री सारंग का पलटवार

भोपाल यश भारत।

मध्यप्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा मुख्यमंत्री को लिखी गई चिढ़ी को लेकर चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने तीखा पलटवार किया है। सारंग ने आरोप लगाया कि प्रदेश में ओबीसी आरक्षण को रोकने की स्थिति कांग्रेस की तत्कालीन कमलनाथ सरकार के कार्यकाल में बनी और सरकार ने अदालत में इस मामले में प्रभावी ढंग से पक्ष नहीं रखा। मंत्री सारंग ने कहा कि मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण देने के

लिए पहले से प्रतिबद्ध है। उन्होंने राहुल गांधी की चिढ़ी को लेकर कहा कि उन्हें प्रदेश के इतिहास और वर्तमान परिस्थितियों की पूरी जानकारी नहीं है और वे कांग्रेस नेताओं द्वारा तैयार किए गए पत्रों पर हस्ताक्षर कर देते हैं।

राहुल को खुली चुनौती, कहा पत्र पढ़कर दिखाएं

सारंग ने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा कि वे अपनी ही हिंदी में लिखी चिढ़ी को अक्षरशः पढ़कर सोशल मीडिया पर साझा करके दिखाएं। उन्होंने कहा कि यदि राहुल गांधी ऐसा कर देते हैं तो वे उन्हें इनाम देंगे। मंत्री ने

राहुल गांधी पर मुद्दों की पर्याप्त जानकारी के बिना राजनीति करने और जनता को गुमराह करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण को लेकर कांग्रेस को अपने कार्यकाल और न्यायालय में अपनाए गए रुख पर जवाब देना चाहिए। सारंग ने कहा कि वर्तमान सरकार ओबीसी वर्ग के हितों और 27 प्रतिशत आरक्षण के प्रावधान को लेकर अपनी प्रतिबद्धता स्पष्ट कर चुकी है। उन्होंने राहुल गांधी की चिढ़ी को लेकर कांग्रेस पर राजनीतिक भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया।

यशभारत

संवादकीय

संपादकीय

चुनाव आयोग : लोकतंत्र पर भरोसा सबसे बड़ी कसौटी

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग के भीतर मतभेदों की रिपोर्ट ने देश में नई बहस की जन्म दे दिया है। चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी द्वारा पिछले 10 महीनों में 14 बार अनेक सुर्गों पर लिखित आपत्तियां दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आते ही पूरा विपक्ष मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर हमलावर हो गया है। आरोपों के छींटे सतारुद्ध भाजपा के दामन को मैला कर रहे हैं। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 'वोट चोरी' को भारतीय लोगों के खिलाफ अपराध और संविधान पर सीधा हमला बताया। कांग्रेस की ओर से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के पद पर बने रहने के अधिकार पर भी सवाल उठाए गए हैं। विपक्ष के कुछ नेताओं ने महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में हुए हालिया विधानसभा चुनावों को निरस्त कर दोबारा मतदान कराने जैसी मांगें भी रखी हैं। दूसरी ओर, भाजपा ने इन आरोपों को खारिज किया है। भाजपा सांसद पद्म प्रवक्ता संजित पात्रा ने कहा कि आयोग के भीतर चर्चा और अलग-अलग राय लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा है तथा विपक्ष जनदेश खोने के कारण संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठा रहा है। उनका कहना है कि अंतिम फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से हूए। चुनाव आयोग का अपना पक्ष भी उत्तना ही महत्वपूर्ण है। आयोग ने कहा है कि लिखित नोट, टिप्पणियां, तकनीकी सुझाव और आंतरिक जांच-पड़ताल बहुसदस्यीय संवैधानिक संस्था की सामान्य कार्यप्रणाली का हिस्सा है। आयोग के अनुसार पिछले एक वर्ष में चुनाव सुधार की करीब 40 पहल की गई और केवल दस महीनों की टिप्पणियों या आपत्तियों के आधार पर पूरी तस्वीर नहीं देखी जा सकती। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि अलग राय को औपचारिक असहमति मानना उचित नहीं है और उसके सभी निर्णय स्थापित वैधानिक प्रक्रिया के तहत हूए हैं। सवाल यह है कि अंतिम निर्णय किस प्रक्रिया से हुआ, संबंधित सदस्यों को पर्याप्त जानकारी मिली या नहीं, आपत्तियों पर क्या विचार हुआ और मतदाता को इसका भरोसेमंद उत्तर कैसे मिलेगा। इसी बीच चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट का ताजा घटनाक्रम भी महत्वपूर्ण है। 23 सितंबर को दो व्याख्याओं की पीठ ने इस मुद्दे पर अलग-अलग राय दी और मामला संविधान पीठ के समक्ष जाने का रस्ता खुला। 2023 के कागज़ के तहत नियुक्ति समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट में इसी व्यवस्था की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है। दरअसल एसआईआर का विवाद अब केवल मतदाता सूची के पुनरीक्षण तक सीमित नहीं रह गया है। इसके तीन आयाम हैं—मतदाता सूची की शुद्धता, चुनाव आयोग की आंतरिक निर्णय प्रक्रिया और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की संस्थागत स्वतंत्रता। कांग्रेस द्वारा ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और उनके कार्यकाल में हुए चुनावों पर सवाल उठाने की मांग राजनीतिक रूप से बहुत गंभीर है। लेकिन किसी भी चुनाव को निरस्त करने जैसा कदम केवल राजनीतिक आरोपों के आधार पर नहीं, बल्कि ठोस प्रमाण, कागज़ी प्रक्रिया और सक्षम संवैधानिक अथवा न्यायिक निर्णय के आधार पर ही तय किया जा सकता है। इसी तरह आयोग की ओर से सर्वसम्मति का दावा भी तभी जनता का विश्वास पूरी तरह मजबूत कर सकता है, जब महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं और निर्णयों से जुड़े तथ्य पर्याप्त रूप से स्पष्ट किए जाएं। आज आवश्यकता आरोपों की तीव्रता बढ़ाने की नहीं, तथ्यों की स्पष्टता बढ़ाने की है। यदि आपत्तियां दर्ज हुई हैं तो उनकी प्रकृति क्या थी? किन निर्णयों पर उठी? उनका समाधान कैसे हुआ। एसआईआर में नाम जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया कितनी पारदर्शी है? राजनीतिक दलों और नागरिकों को उपलब्ध डेटा की स्वतंत्र जांच की क्या व्यवस्था है? ऐसे सवालों के जवाब सार्वजनिक होंगे तो विवाद स्वतः तथ्य और कागज़ की कसौटी पर आ जाएगा। लोकतंत्र में सत्ता पक्ष को संवैधानिक संस्थाओं की विस्वसनीयता बनाए रखने की जिम्मेदारी है, तो विपक्ष की जिम्मेदारी भी यह सुनिश्चित करने की है कि गंभीर आरोप प्रमाण और तथ्यों के साथ रखे जाएं। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी इससे भी बड़ी है—उसे केवल निष्पक्ष होना ही नहीं, बल्कि जनता को उसकी निष्पक्षता दिखाई भी देने चाहिए। आखिरकार चुनाव किसी सरकार, विपक्ष या किसी एक संस्था का किसी विषय नहीं है। यह उस नागरिक का अधिकार है जो मतदान केंद्र तक पहुंचकर अपना प्रतिनिधि चुनता है। इसलिए इस पूरे विवाद का अंतिम केंद्र न कांग्रेस होना चाहिए, न भाजपा और न ही कोई व्यक्ति-केंद्र में होना चाहिए भारत के मतदाता का विश्वास।

कड़वे वचन

आदमी जब अपनीलड़कीके लिए लड़का देखने जाता है तो पत्नी ध्यान से कहती किदो बातों का ध्यान रखना एक लड़का खाते पीते घर का हो। दो मगर खाता पीता नहीं हो। दोनों बातों में बड़ा विरोधाभास है पर समझने वाला इसका मतलब समझता है। फिर पता नहीं क्यों लोग जिंदगी का मतलब नहीं समझते। अरे भाइ जीना है तो जीना (सीढ़ियां) तो चढ़ना ही पड़ेगा।

आज का राशिफल

पंचांग:- 24 सितंबर 2026

दिन- शुक्रवार, माह- भाद्र शुक्ल पक्ष

विक्रम संवत् 2083

ज्योतिषाचार्य विलेन लोकेश व्यास

मेघ
दिन खुशनुमा रहने वाला है किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है

वृष
पारिवारिक समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है धैर्य के साथ आगे बढ़े

मिथुन
आज का दिन व्यापार के लिए कोई नई योजना बनाने के लिए है सफलता मिलेगी

कर्क
आज का दिन रचनात्मक कार्य करने में व्यतीत होने वाला है अपनी सुख सुविधाओं के सामान पर खर्च कर सकते हैं

सिंह
दिन बुद्धि व विवेक से निर्णय लेने के लिए रहने वाला है आत्मविश्वास में वृद्धि होगी

कन्या
विद्यार्थी वर्ग को अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है मानसिक तनाव को कम करने की कोशिश करें

तुला
निवेश करने से पहले अच्छी तरह सोच समझ ले बड़ों की सलाह को मानकर कार्य करें

वृश्चिक
अजनबियों से सावधानी बरते किसी की भी बहकावे में ना आए

धनु
दिल लाभदायक रहने वाला है मान सम्मान में वृद्धि होगी

मकर
अटका हुआ कार्य पूरे होने के संकेत दिखा रहे हैं मेहनत करें सफलता मिलेगी

कुंभ
दिन भर आलस महसूस कर करेगे कार्य पूरे होने में रुकावट आ सकती हैं

मीन
पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा दिन अच्छा व्यतीत करेगे

विचार प्रवाह

हरित खेती का हिसाब खेत से मंडी तक: किसान की जेब में कितना बचा

मौसम अब सिर्फ मौसम नहीं रहा। किसान के लिए यह उसकी फसल का हिसाब है। बारिश कब होगी, कितनी होगी, गर्मी कितनी पड़ेगी और फसल पकने के समय मौसम साथ देगा या नहीं—इन सवालों के जवाब पहले जैसे तय नहीं रहे। किसान जलवायु परिवर्तन को किसी रिपोर्ट या सम्मेलन की भाषा में नहीं समझता। वह इसे खेत में महसूस करता है। कभी फसल के नुकसान में, कभी बढ़ती सिंचाई लागत में और कभी एक ही मौसम में बदलते फैसलों में। 19 सितंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय हरित अधिकरण यानी ह्रत्नञ्ज के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ‘द पयूचर ऑफ एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट डायनेमिक्स’ का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के भारत के प्रयासों की तस्वीर सामने रखी। खेती और गांव भी इस तस्वीर का हिस्सा थे। प्रधानमंत्री के मुताबिक, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत करीब साढ़े 12 लाख हेक्टेयर में 24 हजार प्राकृतिक खेती क्लस्टर बनाए जा चुके हैं। उन्होंने करीब तीन हजार जलवायु-अनुकूल फसल किस्में विकसित होने की भी बात कही। जल संरक्षण के संदर्भ में 70 हजार से अधिक अमृत सरोवर और ‘कैच द रेन’ अभियान के तहत करीब डेढ़ करोड़ वर्षाजल संचयन संरचनाओं का जिक्र भी उनके भाषण में आया। तस्वीर बड़ी है। आंकड़े भी बड़े हैं। लेकिन खेत में खड़े किसान के लिए सवाल थोड़ा अलग है। इन बदलावों से उसकी खेती कितनी बदली? प्राकृतिक खेती का क्षेत्र बढ़ना एक उपलब्धि हो सकती है। जल संरक्षण के लिए ढांचा खड़ा होना भी जरूरी है। जलवायु के अनुकूल बीज विकसित होना भी समय की जरूरत है। लेकिन किसान के लिए इन सबका मतलब आखिर क्या है?

खेती की लागत कितनी कम हुई?

फसल कितनी सुरक्षित हुई? और सबसे आखिर में—उसके हाथ में कितना बचा? यहीं से पर्यावरण की चर्चा किसान की अर्थव्यवस्था से जुड़ती है। किसान को बीज, खाद, कीटनाशक, डीजल, बिजली और मजदूरी का खर्च घटना पड़ता है। ऊपर से मौसम का जोखिम। ऐसे में प्राकृतिक खेती से अगर बाहरी इनपुट पर निर्भरा घटती है और मिट्टी की सेहत सुधरती है तो यह किसान के लिए राहत हो सकती है। सरकार भी राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन को लागत कम करने, मिट्टी का स्वास्थ्य सुधारने और टिकाऊ कृषि को



बढ़ावा देने से जोड़ती है। इस मिशन के तहत किसानों को दो वर्षों तक प्रति एकड़ सालाना चार हजार रुपये का उत्पादन आधारित प्रोत्साहन भी दिया जाता है, अधिकतम एक एकड़ तक। लेकिन किसान के सामने एक और सवाल है कि बदलाव का जोखिम कौन उठाएगा? अगर वह खेती का तरीका बदलता है और शुरुआती दौर में उपज प्रभावित होती है तो क्या होगा? नई पद्धति की जानकारी नहीं है तो कौन साथ खड़ा होगा? और प्राकृतिक तरीके से पैदा की गई फसल बाजार में पहुंचने के बाद क्या सामान्य फसल की तरह ही बिकेगी या किसान को कोई अतिरिक्त लाभ मिलेगा? ये छोटे सवाल नहीं हैं। इसीलिए प्राकृतिक खेती की बहस को सिर्फ ‘रसायनिक बनाम प्राकृतिक’ के खांचे में रखना ठीक नहीं होगा। हर इलाके की मिट्टी अलग है। पानी की उपलब्धता अलग है। फसलें अलग हैं। बाजार अलग है। किसान की आर्थिक स्थिति भी अलग है। जो तरीका एक इलाके में अच्छा काम कर रहा है, जरूरी नहीं कि वही दूसरे इलाके में भी उसी तरह परिणाम दे। सरकार के स्तर पर भी अब प्राकृतिक खेती को सिर्फ क्षेत्रफल बढ़ने के आंकड़े से देखने के बजाय उसके आर्थिक परिणामों पर जोर दिया जा रहा है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 1 सितंबर की समीक्षा बैठक में किसानों की उत्पादकता, उत्पादन लागत, बाजार मूल्य और शुद्ध आय का तुलनात्मक अध्ययन करने के निर्देश दिए। यानी यह देखने की जरूरत खुद सरकार मान रही है कि प्राकृतिक खेती से किसान को वास्तविक आर्थिक फायदा कितना हो रहा है।

पाकिस्तान में आतंक का पलटवार

कश्मीर के लिए पाली गई आतंकी फैक्टरी अब पाकिस्तान को ही निगल रही

पाकिस्तान के खेबर पख्तूनख्वा के कोहाट में सेना और आतंकियों के बीच करीब 20 घंटे चली मुठभेड़ में आठ आतंकी मारे गए। यह घटना पाकिस्तान में तेजी से बढ़ रही आतंकी हिंसा की उस तस्वीर का हिस्सा है, जिसमें आतंकवादी संगठन लगातार सुरक्षा बलों और नागरिकों के लिए चुनौती बने हुए हैं। कोहाट की घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि आतंकवाद को लंबे समय तक रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने वाला पाकिस्तान अब स्वयं उसी आतंक की आग में क्यों झुलस रहा है। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज के आंकड़े बताते हैं कि जनवरी से अगस्त 2026 तक पाकिस्तान में 990 आतंकी हमले हुए और इनमें 1126 लोगों की मौत हुई। आठ महीनों के आंकड़े यह बताते हैं कि आतंकवाद पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा के लिए लगातार बड़ा खतरा बना हुआ है। अगस्त में 199 हमले दर्ज किए गए, जो इस वर्ष के शुरुआती आठ महीनों में किसी एक महीने में सबसे अधिक हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी में 87 आतंकी हमले हुए और 105 लोगों की मौत हुई। फरवरी में 83 हमलों में 139 लोगों की जान गई। मार्च में 106 हमलों में 146 मौतें दर्ज की गईं। अप्रैल में 85 हमले हुए और 60 लोगों की मौत हुई। मई में 160 हमलों में 128 लोगों की जान गई। जून में 112 हमले हुए और 118 मौतें दर्ज की गईं। जुलाई में 144 हमलों के साथ 268 मौतें हुईं, जबकि अगस्त में 199 हमलों में 158 लोगों की जान गई।

कश्मीर के नाम पर तैयार आतंक का खेल अब पाकिस्तान पर भारी

पाकिस्तान ने लंबे समय तक जम्मू-कश्मीर में भारत विरोधी आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले संगठनों को पनाह देने के आरोपों का सामना किया है। कश्मीर को भारत से अलग करने के उद्देश्य से आतंकवादी संगठनों का इस्तेमाल करने की नीति ने लंबे समय तक क्षेत्र में हिंसा को जन्म दिया। आतंकवादियों ने नागरिकों और सुरक्षा बलों को निशाना बनाया और इसके कारण जम्मू-कश्मीर में बड़ी संख्या में लोगों को जान गंवानी पड़ी। लेकिन आतंकवाद की सबसे बड़ी त्रासदी यही है कि वह जिस दिशा में भेजा जाता है, वहीं तक सीमित नहीं रहता। पाकिस्तान में आज तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, बलूच उप्रवादी संगठन और इस्लामिक स्टेट से जुड़े गुटों की हिंसक गतिविधियां वहां की सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बनी हुई हैं। खेबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान आतंकवादी हिंसा के प्रमुख केंद्र हैं और इन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को लगातार अभियान चलाने पड़ रहे हैं। कहते हैं कि बोए पैड़ बबूल के तो आम कहां से खाएं। कश्मीर को हड़पने के लिए पाकिस्तान ने जिस आतंकवादी ढांचे को वर्षों तक सहारा दिया, उसका दुष्परिणाम आज पाकिस्तान के भीतर दिखाई दे रहा है। आतंकवादियों ने पाकिस्तान के नागरिकों, पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों को भी निशाना बनाया है। जिस आतंकवाद को कभी दूसरे देश के खिलाफ इस्तेमाल करने का माध्यम समझा गया, वही अब पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा को कमजोर करने वाला बड़ा कारण बन रहा है।

आतंकवाद को किसी देश की नीति का औजार बनाना अतंतः उसी देश के लिए संकट पैदा कर सकता है। जब आतंकवादी संगठनों को संरक्षण, संसाधन या सुरुक्षित ठिकाने मिलते हैं तो उनके लिए लक्ष्य की सीमा तय रखना कठिन हो जाता है। एक संगठन दूसरे संगठन से जुड़ता है और अलग-अलग गुट अपने हितों के अनुसार हिंसा का रास्ता अपनाते हैं। पाकिस्तान में उभरती आतंकी चुनौती इसी जटिल स्थिति को दर्शाती है।

आंकड़े बता रहे पाकिस्तान में बढ़ता आतंकवाद

पाकिस्तान में 2026 के आंकड़ों का सबसे चिंताजनक पहलू हमलों की लगातार ऊंची संख्या है। आठ महीनों में 990 हमलों का अर्थ है कि औसतन हर महीने सौ से अधिक आतंकी घटनाएं दर्ज हुईं। अगस्त में 199 हमलों के साथ हिंसा का आंकड़ा सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंचा। जुलाई में 268 मौतों का आंकड़ा बताता है कि कम संख्या में हुए हमले भी कई बार अत्यधिक घातक साबित हुए। आतंकी हमलों में हुई मौतों और आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा अभियानों में हुई मौतों को अलग-अलग समझना जरूरी है। सुरक्षा अध्ययन संस्थाओं के आंकड़ों में कई बार आतंकवादी हमलों के साथ जनजीव कार्रवाई में मारे गए आतंकियों और सुरक्षा अभियानों में हुई अन्य मौतों को भी व्यापक संघर्ष आंकड़ों में शामिल किया जाता है। इसलिए अलग-अलग रिपोर्टों में कुल मौतों के आंकड़े अलग दिखाई दे सकते हैं। उदाहरण के तौर पर जनवरी 2026 में आतंकी हमलों में 105 लोगों की मौत दर्ज की गई थी। वहीं आतंकवादी हिंसा और सुरक्षा अभियानों को मिलाकर व्यापक संघर्ष आंकड़ा 361 मौतों तक पहुंचा था। इसमें 242 आतंकी, 73 नागरिक और 46 सुरक्षा बलों के जवान शामिल बताए गए। जुलाई में 112 सुरक्षा बलों के जवान, 74 नागरिक और 19 शांति समितियों से जुड़े लोग शामिल थे। वर्ष 2026 के शुरुआती चार महीनों में भी पाकिस्तान में 401 आतंकी हमले दर्ज किए गए थे। इस अवधि में 190 नागरिकों और 158 सुरक्षा बलों के जवानों की मौत का आंकड़ा सामने आया। सुरक्षा अभियानों में 988 आतंकियों के मारे जाने की जानकारी भी दी गई थी। ये आंकड़े बताते हैं कि पाकिस्तान में आतंकवाद केवल हमलों की संख्या का विषय नहीं है, बल्कि उसके खिलाफ चल रहे सैन्य और सुरक्षा अभियानों ने भी देश के कई हिस्सों में संघर्ष की स्थिति पैदा कर दी है। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2025 में पाकिस्तान को दुनिया में आतंकवाद से दूसरे सबसे अधिक प्रभावित देश के रूप में रखा गया था। रिपोर्ट में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान की हिंसक गतिविधियों में बड़ी वृद्धि का उल्लेख किया गया था। 2024 में इस संगठन से जुड़े 482 हमलों में 558 लोगों की मौत का आंकड़ा दिया गया था।

(लेखक – कातिलाल मांडोट)

किसान की जेब में कितना बचा

उसका फायदा किसान को है। लेकिन सोलर पंप लगाने की शुरुआती लागत, जमीन और पानी की उपलब्धता और योजना तक पहुंच भी उतने ही महत्वपूर्ण सवाल हैं। किसी योजना का आंकड़ा बड़ा हो सकता है, लेकिन किसान तक उसकी पहुंच कैसी है, यह अलग सवाल है।

फसल विविधीकरण भी इसी कड़ी का हिस्सा है। पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में सरकार का फसल विविधीकरण कार्यक्रम धान जैसी अधिक पानी लेने वाली फसलों से कुछ क्षेत्र को दलहन, तिलहन, मोटे अनाज और दूसरी फसलों की ओर ले जाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। इसका मकसद पानी की बचत के साथ मिट्टी और प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव कम करना भी है।

लेकिन यहां फिर वही सवाल लौटता है। किसान धान छोड़कर दूसरी फसल क्यों लगाएगा? सिर्फ इसलिए कि वह पानी कम लेती है? किसान के लिए फसल का बाजार भी उतना ही जरूरी है। अगर वैकल्पिक फसल में पानी कम लगता है लेकिन खरीद की व्यवस्था कमजोर है, कीमत अनिश्चित है या उपज बेचने के लिए दूर जाना पड़ता है, तो किसान के लिए फैसला आसान नहीं होगा। दूधरूने भी हाल के अध्ययन में अलग-अलग इलाकों में पानी की उपलब्धता, मिट्टी, जलवायु और बाजार के अवसरों को ध्यान में रखते हुए स्थानीय परिस्थितियों के मुताबिक फसल विविधीकरण पर जोर दिया है। यानी एक ही फार्मुला पूरे देश के लिए नहीं हो सकता।

यही बात जलवायु-अनुकूल फसलों पर लागू होती है। प्रधानमंत्री ने करीब तीन हजार जलवायु-अनुकूल किस्मों के विकास का उल्लेख किया है। बदलते मौसम में ऐसी किस्मों की जरूरत निश्चित रूप से बढ़ेगी। लेकिन नई किस्म विकसित हो जाना और किसान द्वारा उसे बड़े पैमाने पर अपनाया जाना दो अलग बातें हैं। किसान को बीज, प्रशिक्षण, स्थानीय सलाह और बाजार—चारों चाहिए। किसान की भाषा में सवाल बहुत सीधा है—मौसम खराब हुआ तो फसल बचेगी? और फसल बची तो दाम मिलेगा? जल संरक्षण की योजनाओं को भी इसी नजर से देखने की जरूरत है। अमृत सरोवर बने, वर्षाजल संचयन की संरचनाएं बनीं—यह अच्छी शुरुआत है। लेकिन उसके बाद का हिसाब भी होना चाहिए।

(लेखक – निमिषा सिंह)

भारत को डराया नहीं जा सकता, यह नया भारत है

हाल ही में अमेरिकी संसद द्वारा भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने सम्बंधी कानून को स्वीकृति प्रदान कर दी गई है, क्योंकि, ये देश रूस से कच्चे तेल का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अमेरिका के अनुसार, इन देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात के चलते रूस को यूक्रेन के साथ युद्ध करने की आर्थिक शक्ति प्राप्त हो रही है। जबकि, यूरोपीयन देश एवं अमेरिका स्वयं रूस से गैस एवं अन्य उत्पादों का भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। अर्थात, इन देशों द्वारा रूस से अन्य पदार्थों के आयात करने से रूस को कोई आर्थिक ताकत प्राप्त नहीं होती है, केवल भारत एवं चीन सहित कुछ अन्य देशों द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात से रूस को आर्थिक शक्ति प्राप्त होती है। अमेरिका का यह दोहरा चरित्र अब पूरे विश्व के सामने प्रदर्शित हो रहा है। अमेरिका को अब यह समझ लेना चाहिए कि भारत से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर 100 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाने का उर दिखा कर एवं भारत को दबाव में लाकर अमेरिका भारत से अपने मनमाफिक निर्णय करवा लेगा, तो आज की बदली हुई परिस्थितियों के बीच यह सम्भव होता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका एवं पूरे विश्व के सामने अब एक नया भारत खड़ा है। अमेरिका दरअसल चाहता है कि भारत उसके कृषि उत्पादों के लिए अपने बाजार खोले ताकि वह भारत को अपने कृषि एवं डेयरी उत्पाद निर्यात कर सके। यदि भारत अमेरिका के इस दबाव में आता है तो भारतीय किसानों पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ेगा और केंद्र सरकार भारत के किसानों के हितों की बलि किसी भी कीमत पर देने को तैयार नहीं है। आज, संभवतः अमेरिका को भारत की अधिक आवश्यकता है क्योंकि भारत पूरे विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाला देश बन गया है, जिसके कारण भारत पूरे विश्व में सबसे युवा देशों की श्रेणी में उच्च स्थान रखता है। साथ ही, भारत आज विश्व में विभिन्न उत्पादों का सबसे बड़ा उपभोक्ता देश बन गया है एवं आगे आने वाले समय में भारत की यही स्थिति लम्बे समय तक बनी रहने वाली है। भारत आज विश्व के अन्य उत्पादक देशों के लिए सबसे बड़ा बाजार है।

भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज विश्व में बड़े देशों के बीच सबसे अधिक तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल ही में जापान ने भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। और तो और, अब अमेरिकी क्रेडिट रेटिंग एजेंसियां भी भारत की सार्वभौमिक क्रेडिट रेटिंग में सुधार करने पर विचार करने को मजबूर हो रही हैं। हाल ही में मूडीज ने वर्ष 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, जेफरीज ने भी अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत को सुभाष्कर 7 प्रतिशत कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत की आर्थिक विकास दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत कर दिया है, जबकि भारत ने वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही में 7.8 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की है।

भारत के अपने विदेशी उत्पादों के लिए नए बाजार तलाशने सम्बंधित प्रयास आज सफल होते हुए दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि, अगस्त 2026 का माह भारतीय निर्यातकों के लिए बहुत शानदार रहा है। वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की चुनौतियों के चलते भी भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 26.12 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज हुई है। अगस्त 2025 माह में भारत के कुल निर्यात 3,474 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे थे जो अगस्त 2026 में बढ़कर 4,381 करोड़ अमेरिकी डॉलर के हो गए हैं। फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आरगनाइजेशन के अनुसार, भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में हो रही आकर्षक वृद्धि दर भारतीय निर्यातकों की ताकत, प्रतिस्पर्धा व बाजार के हिसाब से ढलने की क्षमता को दर्शाती है। चीन, सिंगापुर, जर्मनी, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, तंजानिया, हांगकांग, आस्ट्रेलिया, स्पेन एवं श्रीलंका जैसे बाजारों में भारतीय उत्पादों की बढ़ती पहुंच भारत के निर्यात बास्केट के विस्तार का संकेत है। आटोमोबाइल निर्यात में 22.2 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज हुई है, इसमें दोपहिया व तिपाहिया वाहनों का दबदबा रहा है। जेम्स एंड ज्वेलरी के निर्यात में भी 3.14 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल हुई है। इलेक्ट्रॉनिक एवं इंजीनीयरिंग उत्पादों के निर्यात में लगातार वृद्धि भारत की मजबूत स्थिति को दर्शा रही है।

विदेशी व्यापार के मामले में भारत विश्व में केवल कुछ देशों (अमेरिका सहित) पर निर्भर रहने के स्थान पर अब अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात के लिए नए नए बाजार तलाश रहा है। केंद्र सरकार के इन प्रयासों का सुपरिणाम दिखाई भी देने लगा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम पांच माह (अप्रैल-अगस्त 2026) के दौरान भारत का ब्रिक्स देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) को निर्यात 34 प्रतिशत बढ़कर 1,990 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। इसी अवधि में चीन को भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में 39 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। ब्रिक्स समूह के समस्त सदस्य देशों के साथ भारत अपने आर्थिक एवं राजनैतिक सम्बंध लगातार मजबूत कर रहा है, जिसका परिणाम अब इन देशों के साथ भारत के लगातार बढ़ रहे विदेशी व्यापार के रूप में दिखाई देने लगा है। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, ब्रिक्स के चार मुख्य देशों (चीन, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस) का भारत के कुल निर्यात में हिस्सा अप्रैल-अगस्त 2025 के दौरान 8.1 प्रतिशत से बढ़कर अप्रैल-अगस्त 2026 के दौरान 9.2 प्रतिशत हो गया है। इस वित्तीय वर्ष के प्रथम पांच माह के दौरान चीन को 960 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया गया है तो वहीं दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील एवं रूस को भारतीय उत्पादों के निर्यात में क्रमशः 58 प्रतिशत, 13 प्रतिशत एवं 11 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज की गई है।

आज कई अमेरिकी कम्पनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं। इनमें प्रमुख रूप से शामिल हैं - एस्ट्रा जेनेका, बैक ओफ अमेरिका, टरुब्रिज, गाइडवायर, आदि। भारत में स्थापित इन वैश्विक योग्यता केंद्रों में हजारों की संख्या में भारतीय इंजीनीयर कार्य कर रहे हैं। कहीं यह अमेरिकी प्रशासन द्वारा लगातार बदले जा रहे वीजा सम्बंधी नियमों के चलते तो नहीं हो रहा है।

(लेखक- प्रहलाद सक्नानी)



रचित भाटिया ने इस स्टिंग ऑपरेशन में एक युवा खिलाड़ी के बारे में भी बताया है। भाटिया के अनुसार वह खिलाड़ी दिल्ली का रहने वाला है। आईपीएल 2025 में चेन्नई का हिस्सा था और चेन्नई की जानकारी लीक की। वहीं, दिल्ली प्रीमियर लीग में भी यह खिलाड़ी मैच फिक्स करने, धोमी बल्लेबाजी करने और अन्य जानकारीयों के लिए तैयार है। भाटिया ने जिस खिलाड़ी की तर्फ इशारा किया, उसकी प्रोफाइल वंश बेदी से मिलती है। हालांकि, डीडीसीए साफ कर चुका है कि वंश ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल नहीं थे।

मुंबई (यशभारत)। स्टील किंग लक्ष्मी एन मित्तल और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के सीईओ अंदरा पूनावाला ने मिलकर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को खरीदने की मेगा डील लगभग पूरी कर ली है। इस बड़े अधिग्रहण को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने भी आधिकारिक मंजूरी दे दी है।



चन्नई (यशभारत) । चन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सत्र के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान को अपना नया मुख्य कोच बनाया है। माना जा रहा है कि सीएसके के इस फैसले के पीछे टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की अहम भूमिका होगी। धोनी की सलाह पर ही सीएसके ने जहीर को कोच की जिम्मेदारी सौंपी होगी। यह नियुक्ति फ्रेंचाइजी क्रिकेट के इतिहास में एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि जहीर ने उस लंबे कोचिंग कार्यकाल की जिम्मेदारी ली है जो पिछले कई वर्षों से टीम की सफलता का सबसे मजबूत आधार रहा है। इसी कारण जब टीम के लिए नए कोच की तलाश शुरू हुई, तो कई विदेशी और देसी दिग्गजों के बड़े-बड़े नाम दौड़ में शामिल थे पर इसके बाद भी सीएसके ने जहीर के अक्सर दिया। सीएसके के क्रिकेट प्रबंधन पर धोनी का प्रभाव है, ऐसे में सोच थी कि टीम की कमान किसी ऐसे भारतीय दिग्गज को सौंपी जाए जो घरेलू स्तर पर युवाओं की नब्ज पहचानता हो। वहीं जहीर न केवल एक चतुर रणनीतिकार है, बल्कि खेल की उनकी समझ असाधारण है। धोनी भली-भांति जानते हैं कि टीम इस समय एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है, जहाँ नए और युवा खिलाड़ियों को तैयार करना है। ऐसे में जहीर से बेहतर क्रिकेटिंग दिग्गम वाला कोच कोई दूसरा कोई नहीं हो सकता था। पूर्व में अन्य बड़ी फ्रेंचाइजी के साथ काम करने के जहीर के रणनीतिक अनुभव का लाभ भी सीएसके को मिलेगा। धोनी और जहीर का रिश्ता महज एक कप्तान और गेंदबाज का नहीं रहा है। यह अटूट विश्वास और सम्मान की कहानी है। भारतीय क्रिकेट के स्वर्णिम दौर, विशेषकर 2011 के ऐतिहासिक विश्व कप अभियान में इन दोनों की केमिस्ट्री देखने लायक थी, जहाँ जहीर भारत के सबसे सफल गेंदबाज बनकर उभरे थे।

विशेषण अफ्रीका की टी-20 लीग 20 में भाग लेने वाली पाँच रॉयल्स में बाइस्टैंडिंग कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में खेलने वाली बारबाडोस रॉयल्स भी अब मिलत और पूनावाले के मालिकांना अधिका में आ जाएंगी। यह

मोया, एजेंसी। एशियन गेम्स में गुरुवार को भारतीय बौलिङ्गियों का पदक अभियान जारी है। बैडमिंटन में स्वस्थ सेन, आयुष शेण्डी और पीवी सिंधु को पहले दौर में जीत मिली है, जबकि उज्जित हड्डा अपने अभियान की शुरुआत उत्तर कोरिया की यू मी सिङ्ग के खिलाफ करेंगी। प्रवेश में तीसरी वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते सिंगापुर की ऑ यॉंग वाई लिन को सीधे गेम्स में 11-4, 11-17 से हराया और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। बड्डी में भी भारत ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा। भारतीय टीम ने तीनों ताइपे को 37-21 से हराकर ग्रुप चरण का अंत अजेय रहते किया और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। तनावराजिनी में भवानी देवी और श्रेया गुप्ता ने भी अंतिम-16 में बौलिङ्ग में। वहीं, बॉक्सिंग में सुमित को मुकाबले के दौरान घुटने में चोट लगने का कारण मैच छोड़ना पड़ा।

किया जा रहा है, जिसका स्वामित्व मित्तल परिवार के पास है। इस सौदे में पूनावाला स्पोर्ट्स एंड फिटनेस प्राइवेट लिमिटेड भी एक प्रमुख हिस्सेदार है।

इन डील के तहत, मित्तल परिवार वेस्टवू क्रिकेट के माध्यम से फेंचाइजी की लगभग 75 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करेगा, जबकि अरब पूनावाला की हिस्सेदारी करीब 18फीसदी होगी। मौजूदा निवेशकों में शामिल मनोज बटाले के पास अपनी लगभग 10 फीसदी हिस्सेदारी बरकरार रहने की उम्मीद है। इस सौदे की घोषणा इस साल की शुरुआत में ही की गई थी।

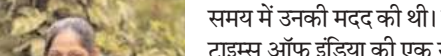
इस साल 1.65 अरब डॉलर के एंटरप्राइज वैल्यू पर की गई थी, जो इसकी विशालता और क्रिकेट जगत में इसके महत्व को रेखांकित करता है। यह उद्देश्यनीय है कि इस समझौते से पहले, अमेरिकी निवेशकों के नेतृत्व वाले एक समूह ने भी राजस्थान रॉयल्स को खरीदने का असफल प्रयास किया था, तब फेंचाइजी समूह का मूल्यांकन लगभग 1.63 अरब डॉलर आंका गया था। मित्तल और पूनावाला जैसे दिग्गज उद्योगपतियों का राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़ना फेंचाइजी के लिए एक नया अध्याय खोलेगा और टीम को वित्तीय तथा रणनीतिक रूप से और भी मजबूत करेगा।

में लक्ष्य, आयुष और सिंधु

जाहत क्वार्टर फाइनल में

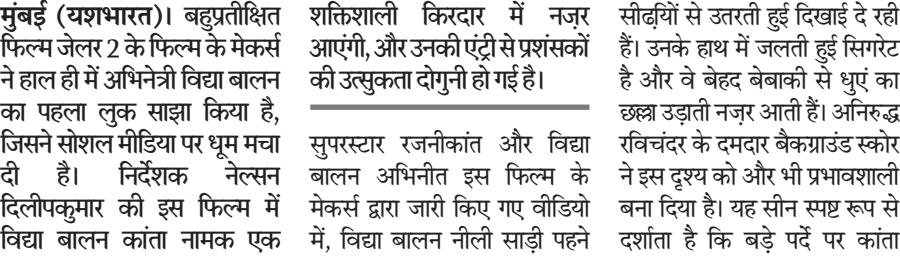


जागत को इससे पहले वुशु में रोशबिना देवी ने रजत, जबकि रोड्ग में सतनाम सिंह और सलमान ने कांस्य पदक दिलाया है।



भारतीय निशानेबाज मेघना सज्जनार ने बताया है कि बॉलीवुड अभिनेता आयुष्मान खुराना ने मुश्किल समय में उनकी मदद की थी। खास बात यह है कि उस समय वह मेघना को जानते भी नहीं थे, लेकिन उन्होंने टाइम्स ऑफ इंडिया की एक खबर में मेघना के बारे में पढ़ा और मदद करने का फैसला किया। उनकी मददद करने के दम पर मेघना इस मुकाम तक पहुँची हैं कि करोड़ों देशवासियों का सिर वार से उंचा कर रही हैं। आयुष्मान की मदद से मेघना को विश्व स्तरीय राइफल मिली, जिससे उन्हें बिना किसी परेशानी के प्रतियोगिताओं की तैयारी और अभ्यास जारी रखने में मदद मिली। अब इसका फायदा पूरे देश को मिल रहा है। मेघना ने हाल ही में यहां कर्णी सिंह निशानेबाजी परिसर में आयोजित एशियाई चैंपियनशिप की टीम स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक और 10 मीटर एयर राइफल वर्ग में व्यक्तिगत कांस्य पदक जीता। इसके अलावा, उन्होंने काहिरा में आयोजित 2022 और 2025 विश्व चैंपियनशिप में भी कांस्य पदक अपने नाम किए हैं।

जेलर 2 में विद्या बालन



किरदार को कड़ी ठक्कर देने वाली हैं। किरदार बालन के किरदार से पर्दा उठाने से ठीक पहले, मेकर्स ने सूरज जेजियामाडु के दमदार रोल की झलक भी पेश की थी। टीजर में सूरज एक नए और स्टायलिश लुक में गाड़ी से उतरते हुए दिखाए गए थे। इसके अलावा, जेलर 2 में सूरज, स. सूर्या की एंटी ने भी प्रसन्नता का उत्साह बढ़ाया है। फिल्म में वे बोबोथी के दिलचस्प किरदार में नज़र आएंगे। यह पहला मौका है जब सूरज, स. सूर्या बड़े पर्दे पर रजनीकांत के साथ स्क्रीन साझा करते दिखेंगे, जिससे फिल्म में प्रती दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

रजनाकांत का जेलर 2 का कमान नेल्सन दिलीपकुमार के हाथों में है, जिन्होंने इस सीक्रल को लिखा और निर्देशित किया है। यह साल 2023 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म जेलर का सीक्रल है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे।

साढ़िया से उतरती हुई दिखाई दे रही हैं। उनके हाथ में जलती हुई सिगरेट है और वे बेहद बेबाकी से धुएं का छल्ला उड़ाती नज़र आती हैं। अनिरुद्ध रविचंद्र के दमदार बैकग्राउंड स्कोर ने इस दृश्य को और भी प्रभावशाली बना दिया है। यह सीन स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि बड़े पर्दे पर कांता

नजरिए से देखना लैंगिक असमानता का संकेत हो सकता है। बताया गया कि एक पत्रकार ने सोशल मीडिया पर विस्तृत टिप्पणी करते हुए प्रणय डूबे के उस कथित बयान पर प्रतिक्रिया दी थी, जिसमें दीपिका द्वारा फिल्म के मुनाफे में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी मांगने की बात कही गई थी। इसी पोस्ट को दीपिका द्वारा लाइक किए जाने के बाद इसे उनके आरोपों पर अप्रत्यक्ष जवाब के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, दीपिका पादुकोण ने इस मामले को कोई विस्तृत सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। ऐसे में सोशल मीडिया पर उनकी ओर से पोस्ट को लाइक करने की घटना ने ही नई बहस को जन्म दे दिया है। दीपिका के फिल्म से बाहर होने के बाद 'स्पिरिट' में अभिनेत्री तुति डिमरि की प्रभास के साथ मुख्य अभिनेत्री के रूप में शामिल किया गया। फिल्म में अभिनेता विवेक ओबेरॉय भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाले हंगे की योजना बताई जा रही है। वहीं, दीपिका पादुकोण के आगामी 'करने' और निदेशक एटली की फिल्म 'राका' शामिल बताई जा रही हैं, जजर आ सकती हैं।

गाना आज्ञा गुफाओं में आ महिला :
शक्ति का प्रतीक: रवीना टंडन :



पुबई (यशभारत)। अपनी फिल्म अक्स के मशहूर गाने आज्जा गुफाओं में आ के रीक्रिएशन पर अभिनेत्री रवीना टंडन ने ऐतराज जताया है। रवीना टंडन का कहना है कि यह गीत डरावना नहीं, बल्कि बेहद खूबसूरत और महिलाओं की शक्ति को दर्शाने वाला गीत है, जिसे आजकल गलत तरीके से हॉरर फॉर्मेट में प्रस्तुत किया जा रहा है। रवीना टंडन हाल ही में डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 के सेमीफाइनल एपिसोड में विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस दौरान प्रतियोगी गीताजलि और कोरियोग्राफर अनुराधा ने आज्जा गुफाओं में आ और ये रात गीतों पर एक शानदार प्रस्तुति दी, जिसने जजों और रवीना टंडन दोनों को प्रभावित किया। हालाँकि, रवीना ने प्रस्तुति को फ्लॉप्स बताते हुए भी एक शिकायत जाहिर की।

‘स्प्रिट’ को लेकर शुरू हुआ विवाद नहीं ले रहा थमने का नाम



नज़रिए से रच बना लौंगक असमानता का संकेत हो सकता है। बताया जाँरिए कि एक पत्रकार ने सोशल मीडिया पर विस्तृत टिप्पणी करते हुए प्रणय डूँगे के उस कथित बयान पर प्रतिक्रिया दी थी, जिसमें दीपिका द्वारा फिल्म के मुनाफे में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी माँगेने की बात कही गई थी। इसी पोस्ट को दीपिका द्वारा लाइक किए जाने के बाद इसे उनके आरोपों पर अप्रत्यक्ष जवाब के रूप में देखा जा रहा है। हालाँकि, दीपिका पादुकोण ने इस मामले को लेकर विस्तृत सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। ऐसे में सोशल मीडिया पर उनकी ओर से पोस्ट को लाइक करने की घटना ने ही नई बहस को जन्म दे दिया है। दीपिका के फिल्म से बाहर होने के बाद 'स्मिटर' में अभिनेत्री तुलु डिमरी को प्रभास के साथ मुख्य अभिनेत्री के रूप में शामिल किया गया। फिल्म में अभिनेता विवेक ओबेरॉय भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आने वाले हरने की योजना बताई जा रही है। वहीं, दीपिका पादुकोण के आगामी 'जंग' और निर्देशक एटली की फिल्म 'राका' शामिल बताई जा रही हैं, जंग' आ सकती हैं।

